महत्वपूर्ण एवं खास

मरीन ड्राइव विस्तार के लिए 29.57 करोड़ स्वीकृत

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत नगरीय प्रशासन विभाग ने मंजूर की राशि

रायगढ़। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने रायगढ़ नगर निगम में मरीन ड्राइव के विस्तार के लिए 29 करोड़ 56 लाख 73 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा विभागीय मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत यह राशि स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करने के दौरान नगर निगमों में बड़े कार्यों को अंजाम देने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना प्रारंभ करने की घोषणा की थी। इसे धरातल पर उतारते हुए, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने रायगढ़ नगर निगम में न्यू शनि मंदिर रोड से छठ घाट तक मरीन ड्राइव के विस्तार के लिए करीब 29 करोड़ 57 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने गुणवत्ता एवं निर्धारित मापदंड सुनिश्चित करते हुए समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर निकली जनजागरूकता रैली

रायगढ़। समाज कल्याण विभाग, रायगढ़ के द्वारा संचालित नवजीवन नशा मुक्ति केन्द्र, कौहाकुण्डा रायगढ़ में 31 मई को अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध के अवसर पर जनजागरूकता रैली निकालते हुए नशा विरोधी नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। रैली की समाप्ति में नवजीवन नशामुक्ति केन्द्र में भर्ती नशे के आदि व्यक्तियों को धूम्रपान, तम्बाखू के नशे से होने वाली बीमारियों एवं घातक दुष्परिणामों के बारे में सचेत करते हुए इसके सेवन करने हेतु समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा शपथ ग्रहण करवाया गया। जिसमें भारी संख्या में जनसामान्य एवं भारत माता वाहिनी के सदस्यों की उपस्थिति रही।

40 वां चक्रधर समारोह 2025

आवश्यक तैयारी एवं व्यवस्था हेतु समिति गठित

रायगढ़। कलेक्टर एवं चक्रधर समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष मयंक चतुर्वेदी ने 40 वां चक्रधर समारोह 2025 के सफल संचालन एवं आवश्यक तैयारी/व्यवस्था हेतु समिति का गठन किया है। गठित समिति में अतिरिक्त कलेक्टर अपूर्व प्रियेश टोप्पो को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह आयुक्त नगर निगम बृजेश सिंह क्षत्रिय, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी नाजरात शाखा रेखा चन्द्रा, डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार भगत एवं डिप्टी कलेक्टर समीर बड़ा को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

कलाकारों के सम्मान हेतु विभिन्न प्रचार-प्रसार सामग्री के लिए समिति गठित

रायगढ़। कलेक्टर एवं चक्रधर समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष मयंक चतुर्वेदी ने 40 वां चक्रधर समारोह 2025 के सफल संचालन एवं अतिथिगणों के सम्मान हेतु स्मृति चिन्ह एवं कार्यक्रम हेतु पोस्टर, बैनर, निमंत्रण कार्ड एवं अन्य प्रचार-प्रसार सामग्री हेतु समिति का गठन किया है। गठित समिति में आयुक्त नगर निगम बृजेश सिंह क्षत्रिय को अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी नाजरात शाखा रेखा चन्द्रा, डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार भगत, डिप्टी कलेक्टर समीर बड़ा एवं प्राचार्य राजेश डेनियल को समिति के सदस्य बनाया गया है।

उद्योग अपने परिसर के आस-पास 2.5 कि.मी.की नियमित रूप से करवाएं सफाई : कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी

- जिले में बेहतर पर्यावरण के लिए उद्योग तैयार करें रोडमैप: कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी
- उद्योगों को रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने के निर्देश
- हर उद्योग को मियावाकी पद्धति से वृक्षारोपण करने के दिए गए निर्देश

रायगढ़

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उद्योगों और खदानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कहा कि रायगढ़ एक औद्योगिक जिला है। यहां बहुत से उद्योग संचालित है। ये जिले के प्रदेश के विकास और रोजगार सृजन में योगदान देते हैं। लेकिन इनका असर यहां के पर्यावरण पर भी होता है। इसलिए, यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया जाए जो पर्यावरण के लिहाज से बेहतर और प्रभावी हो। इसके लिए, हमें मिलकर रोडमैप तैयार करना होगा।

कलेक्टर चतुर्वेदी ने औद्योगिक प्रक्रियाओं में स्वच्छ प्रौद्योगिकी को अपनाने और गैर परंपरागत ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने विशेष रूप से स्पंज आयरन उद्योगों में क्लीन एनर्जी माध्यमों पर निर्भरता बढ़ाने के लिए कहा। जो न केवल पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से अनुकूल होगा बल्कि परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों से निकलने वाले अपशिष्ट और उसके निपटान की चुनौतियों को कम करेगा। सभी स्पंज आयरन एवं पॉवर प्लांट उद्योगों को स्वच्छ ईंधन तथा वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों सोलर पॉवर, प्राकृतिक गैस तथा बायोमास पैलेट आदि का समावेश अपनी औद्योगिक प्रक्रिया में कर कार्बन उत्सर्जन को कम करना चाहिए। सभी उद्योगों/खदानों को अपने द्वारा संचालित किये जा रहे हैं डीजल ईंधन वाहनों को सीएसपीडीसीएल की तर्ज पर हाइड्रोजन गैस तथा विद्युत संचालित वाहनों द्वारा प्रतिस्थापित करना चाहिए। उन्होंने आधुनिक मशीनरी और उन्नत तकनीकों का उपयोग बढ़ाने की बात उद्योग प्रतिनिधियों से कही। इस दौरान ऊर्जा स्त्रोतों के लिए किए जा रहे नवाचारी प्रयासों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी उद्योगों को पर्यावरण संरक्षण तथा प्रदूषण निवारण के लिये नवाचार करने चाहिए जिससे जिले का वातावरण बेहतर हो।

कलेक्टर चतुर्वेदी ने कहा कि इस मानसून उद्योगों द्वारा व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करवाया जाए। उन्होंने आगामी 31 जुलाई 2025 तक सभी उद्योगों तथा खदानों को अपने अंतर्गत 1 स्थान पर 'मियावाकी पद्धति' से सघन वृक्षारोपण सुनिश्चित कराने के लिए कहा। उन्होंने सभी उद्योगों/खदानों को वेस्ट से उपयोगी वस्तुएँ बनाने के लिए अपने आस-पास की महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को संलग्न करना चाहिए। जिले में प्लास्टिक वेस्ट के बेहतर निपटान के लिये आरडीएफ फेसिलिटी विकसित करने की पहल की जानी चाहिए।

इस अवसर पर क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी अंकुर साहू, खनिज अधिकारी राजेश मालवे सहित उद्योग प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उद्योग अपने परिसर के आस-पास के 2.5 किमी सड़कों की करवाएं नियमित सफाई

कलेक्टर चतुर्वेदी ने सभी उद्योगों से कहा कि अपने परिसर के आस-पास की 2.5 कि.मी. सड़कों की साफ-सफाई तथा जल छिड़काव की जिम्मेदारी लेनी है जिससे उनके द्वारा परिवहन किये जाने वाले वाहनों से धूल उत्सर्जन की समस्या में कमी लाई जा सके। जिन 9 खदानों एवं 19 उद्योगों में रोड स्वीपिंग व्हीकल नहीं है उन्हे शीघ्र इसकी खरीदी कर अपने आस-पास की सड़कों की साफ-सफाई के लिए कहा। उन्होंने कहा कि छोटे उद्योगों द्वारा भी रोड स्वीपिंग व्हीकल के स्थान पर सस्ते विकल्प जैसे ट्रक माउण्टेड/ट्रेक्टर अथवा पोर्टेबल वाटर कैनन का प्रयोग कर अपने आस-पास की सड़कों की साफ.-सफाई करनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी उद्योगों तथा खदानों को अपने एण्ट्री गेट पर व्हील वॉशिंग सिस्टम का संचालन नियमित रूप से करने की बात कही।

उद्योगों में रेन वाटर सिस्टम जरूरी

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के बारे में जानकारी लेते हुए कलेक्टर चतुर्वेदी ने कहा कि सभी उद्योगों में अनिवार्य रूप से रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्योगों को बड़े पैमाने पर पानी की जरूरत होती है। ऐसे में ग्राउंड वाटर रिचार्ज करने में भी गंभीरता जरूरी है। जिन उद्योगों में सिस्टम नहीं लगा है वे जल्द इसे लगवा लें।

कोर्ट से फरार हुए आरोपी को छेड़खानी के नए केस में धरमजयगढ़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

- पानी पीने के बहाने कोर्ट से भागा था आरोपी, गांव आने पर टीआई धरमजयगढ़ ने स्टाफ के साथ दबिश देकर दबोचा

रायगढ़

पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा निर्देशन एवं एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन में धरमजयगढ़ पुलिस ने एसडीएम न्यायालय से फरार हुए आरोपी विशाल विश्वास को पकड़ने में सफलता हासिल की है। आरोपी को आज उसके गांव हाथीगुड़ा से गिरफ्तार कर दोनों मामलों में रिमांड पर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि 2 जून 2025 को ग्राम हाथीगुड़ा निवासी विशाल विश्वास के विरुद्ध प्राप्त शिकायत की जांच उपरांत धरमजयगढ़ पुलिस ने उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 170/126/135(3) के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए एसडीएम न्यायालय में पेश किया था। लेकिन पेशी के दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी को पानी पीने का बहाना बनाया और कोर्ट परिसर से फरार हो गया। घटना के बाद थाना धरमजयगढ़ में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 155/2025 धारा 264, 121(1), 132 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर टीआई कमला पुसाम ठाकुर के नेतृत्व में आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू की गई।

इसी बीच 3 जून को एक स्थानीय युवती ने विशाल विश्वास के विरुद्ध पीछा कर परेशान करने, अभद्र टिप्पणियां करने और पिछले कई महीनों से छेड़खानी करने का गंभीर आरोप लगाते हुए थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर आरोपी के विरुद्ध एक और अपराध क्रमांक 158/2025 धारा 74(1)(क), 78 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

टीआई धरमजयगढ़ कमला पुसाम ठाकुर के साथ पुलिस टीम, आरोपी की गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए उसे आज सुबह उसके गांव हाथीगुड़ा में घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को दोनों मामलों में विधिवत गिरफ्तार कर रिमांड पश्चात न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

घरघोड़ा बायपास में ट्रेलर चालक से लूटपाट के दो आरोपियों को घरघोड़ा पुलिस ने किया गिरफ्तार, लूटी गई संपत्ति व बाइक बरामद

रायगढ़

घरघोड़ा थाना क्षेत्र में ट्रेलर वाहन चालक से मोबाइल और नगदी लूटकर फरार हुए दो आरोपियों को घरघोड़ा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। निरीक्षक कुमार गौरव साहू के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में न केवल लूटी गई सम्पत्ति बरामद हुई है, वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

घटना 3 जून की रात लगभग 11 से 12 बजे के बीच की है जब कोरबा निवासी ट्रेलर चालक दिनेश कुमार निर्मलकर, जो अडानी कोल माइंस मीलूपारा से कोयला लेकर घरघोड़ा रेलवे साइडिंग में अनलोडिंग का कार्य कर रहा था, अपने ट्रेलर (सीजी-12-बीजे-1926) को घरघोड़ा बायपास कांटाघर के पास खड़ा कर खाना खाकर सो रहा था। उसी दौरान दो अज्ञात युवक एक काले रंग की बजाज पल्सर मोटरसाइकिल (जिसका वाइजर टूटा हुआ था) से पहुंचे और ट्रेलर के केबिन का दरवाजा खोलकर धमकाते हुए पेंट की जेब में रखा पर्स जिसमें 2000 रुपए नकद थे, एक वीवो मोबाइल (कीमत लगभग रु.4000) तथा चार्जिंग में लगे उसके मित्र संदीप चौहान का ओप्पो मोबाइल (कीमत लगभग रु.6000) लूटकर फरार हो गए।

4 जून को दर्ज की गई रिपोर्ट के बाद घरघोड़ा पुलिस ने आईपीसी की धारा 309(4), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 146/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। थाना प्रभारी कुमार गौरव साहू ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर टीम गठित की और मुखबिरों को सक्रिय किया। मुखबिर की सूचना पर संदेही एकेश मरावी (पिता मोरभंज मरावी, उम्र 20 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 02, साईराम कॉलोनी, घरघोड़ा) और राजू सोनवानी (पिता चंद्रिका सोनवानी, उम्र 20 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 04, सतनामी मोहल्ला, घरघोड़ा) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। दोनों ने वारदात में संलिप्तता स्वीकार कर ली।

पूछताछ और मेमोरेंडम कथन के आधार पर एकेश मरावी से एक वीवो मोबाइल, रु.500 नगद तथा वारदात में प्रयुक्त बजाज पल्सर 150cc बाइक (क्रमांक CG-13-AJ-6524) जब्त की गई। वहीं राजू सोनवानी से ओप्पो मोबाइल (जो टूट चुका था) बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा गया है।

इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। पूरी कार्रवाई में निरीक्षक कुमार गौरव साहू, एएसआई रामसंजीवन वर्मा, आरक्षक उधो पटेल और भानुप्रताप चंद्रा की सराहनीय भूमिका रही।

कोरोना के संभावित खतरे को लेकर रायगढ़ मेडिकल कॉलेज ने किया मॉक ड्रिल

- अस्पताल में समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही सेनेटाइजर, ऑक्सीजन की उपलब्धता व दवाइयों की भी जांच

रायगढ़

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में कोरोना के संभावित खतरे से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान डमी मरीज को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल लाकर चिकित्सक ने कोरोना का उपचार किया गया।

देश के अन्य राज्यों के साथ छत्तीसगढ़ में भी कोरोना कुछ केस पाये गये है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ में कोरोना के संभावित खतरे और आपात स्थिति से निपटने को लेकर आज मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान कोरोना से संक्रमित डमी मरीज को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचते ही अस्पताल प्रशासन हरकत में आ गया। मरीज को एम्बुलेंस से उतार कर पीपीई किट पहने स्वास्थ्य कर्मी ऑक्सीजन सिलेंडर युक्त स्ट्रेचर में लेटाकर वर्तमान में चिन्हांकित 24 बेड आइसोलेशन वार्ड लेकर गये, जहां पूर्व से मौजूद पीपीई किट लेस चिकित्सक, स्टाफ द्वारा सबसे पहले ऑक्सीमीटर से उक्त मरीज के ऑक्सीजन स्तर की जांच की गई। फिर उसे ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड पर लिटाया गया। ऑक्सीमीटर लगाने के साथ ऑक्सीजन की आपूर्ति शुरू की गई। वहीं वेंटिलेटर व मल्टी पैरामीटर, वाइटल साइन मशीन के माध्यम से जांच व मॉनिटरिंग चिकित्सकों ने की। मॉक ड्रिल का मंजर देख कोरोना की याद ताजा हो गई। मालूम हो कि देश में बढ़ते कोरोना के मामले को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर मॉक ड्रिल का आयोजन कर आपात स्थिति से निपटने को लेकर तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ.एम.के.मिंज ने पूर्वाभ्यास के दौरान अस्पताल आने वाले मरीजों की समुचित देखभाल की व्यवस्था, कोविड जांच सुनिश्चित करने, हर परिस्थिति से निपटने, ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड को क्रियाशील रखने को लेकर चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिये। वहीं चिकित्सकों व कर्मियों की सुरक्षा को लेकर भी बरती जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया गया। अस्पताल में सेनेटाइजर की व्यवस्था, ऑक्सीजन की उपलब्धता व दवाइयों की भी जांच की गई। मौके पर डॉ.ए.एम.लकड़ा विभागाध्यक्ष निश्चेतना, डॉ.एस.के.माने उप अस्पताल अधीक्षक, डॉ.सविता अहीरवाल विभागाध्यक्ष मेडिसिन सहित मॉकड्रिल में शामिल डॉ विकास पटेल, अमरशीला स्टाफ नर्स, विनोद मसीह, किशोर प्रधान, कमलेश साहू, रघु नाथ शर्मा, दीपक जांगड़े, बुधराम, भूषण वर्मा, पुरुषोत्तम, भागीरथी, अंजू और कमला शामिल रहे।

एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने हेतु 6 जून को यहां लगेंगे शिविर

रायगढ़

जिला परिवहन द्वारा एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने हेतु जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शिविर लगाए जा रहे है। इसी कड़ी में रायगढ़ अंतर्गत 6 जून को वृंदावन चौक उर्दना में शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए मोबा.न.7898202687 में संपर्क कर सकते है। इसी तरह कोतरा रोड थाना के पास, रायगढ़ मोबा.नं 7610612415, मिनी स्टेडियम के पास मोबा.नं.8517089589, साईस स्टेशनरी के पास ढिमरापुर चौक, रायगढ़ मोबा.नं. 9131788037 एवं एसईसीएल कार्यालय मरीन ड्राईव केलो विहार के पास, मोबा. नं.9202173820 में संपर्क कर सकते है। उक्त शिविर प्रात: 10 बजे से प्रारंभ होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस: धरमजयगढ़ काष्ठगार में नीम, गुलमोहर सहित अन्य प्रजाति के रोपे गए पौधे

- पर्यावरण एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण के संबंध में चलचित्रों के माध्यम से लोगों को किया गया जागरूक

रायगढ़

धरमजयगढ़ वनमंडल द्वारा आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना से हुई। मौके पर काष्ठागार प्रांगण में नीम, गुलमोहर आदि प्रजाति के पौधों का रोपण करते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की गई।

इस दौरान वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ जितेन्द्र कुमार उपाध्याय ने पर्यावरण एवं वन्यजीवों के संरक्षण के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। वर्तमान समय में सभी को अपने-अपने स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयास की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक जो एक गंभीर प्रदूषण के रूप में उभरकर सामने आ रही है, उसको भी धीरे-धीरे अपने दिनचर्या की क्रियाकलापों में कम से कम उपयोग करें। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण के संबंध में विभिन्न चलचित्रों के माध्यम से उपस्थित बच्चों एवं जनसामान्य को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष जनपद पंचायत धरमजयगढ़ लीनव राठिया, उपाध्यक्ष शिशुपाल गुप्ता, अध्यक्ष नगर पंचायत धरमजयगढ़ अनिल सरकार, भरत लाल साहू, टीकाराम पटेल एवं जनप्रतिनिधि सहित उप वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ बालगोविन्द साहू, वनक्षेत्रपाल रामजी गोड़ सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जलदूत एप्प से किया जा रहा जल-स्तर का सर्वेक्षण

समस्त विकासखण्डों के निर्मित कुओं का जलस्तर का माप कर वास्तविक डाटा किया जा रहा अपलोड

- भू-जल स्तर की माप से उचित जल प्रबंधन और उपयोग को मिलेगी मदद

रायगढ़

शासन के निर्देशानुसार रायगढ़ जिले में महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत 07 विकासखंडो में निर्मित कुओं में मानसून पूर्व जलस्तर की माप सभी ग्राम पंचायतों के प्रत्येक ग्राम में खुले कुओं के जल स्तरों को माप कर प्री-मानसून 2025 अवधि तक वास्तविक डाटा अपलोड किये जा रहे है। जिले में 25 मई से मैदानी अमलों तकनीकी सहायक, बेयरफुट तकनीशियन, रोजगार सहायकों द्वारा जलदूत ऐप के माध्यम से प्रत्येक ग्राम के कुंओं के जल स्तर का माप किया जा रहा है। जिसे 15 जून तक किया जायेगा, जिससे मानसून से पहले और मानसून के बाद का डाटा को कैप्चर होगा। भू-जल डाटा कैप्चर करने के दौरान खुले कुएं के जल स्तर की नाप किये जाने के पूर्व यह सुनिश्चित किया जाना है कि कुंए से पिछले 10 से 12 घंटे पहले पानी नहीं निकाला गया है। प्रत्येक ग्राम/ग्राम पंचायत के खुले कुंओं का डाटा एक ही दिन में अपलोड किया जाना है।

प्रत्येक गाँव में, उस गाँव के भूजल स्तर के प्रतिनिधि के रूप में पर्याप्त संख्या में जल स्तर की माप किये जाने वाले स्थानों (2-3) का चयन करना होगा। ये स्थान, ट्यूब या बोरवेल के बजाय खुले कुएं होंगे। जलदूत में वर्ष में दो बार (वर्षा ऋतु के पूर्व और वर्षा ऋतु के बाद) इस मोबाइल ऐप के माध्यम से इन स्थानों पर भूजल स्तर के माप के डेटा को दर्ज किया जा सकता है। उन्हें जल स्तर के माप के हर अवसर पर ऐप के माध्यम से जियो-टैग की गई तस्वीरें भी अपलोड करनी होगी।

वर्ष 2024-25 में जिले 469 ग्राम पंचायतों के 742 ग्रामों के 2123 कुओं का रिकार्ड जलदूत ऐप में अपलोड किया गया था। शासन के निर्देशानुसार मोर गाँव, मोर पानी महाभियान के माध्यम से जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। मानसून पूर्व जलस्तर माप का उद्देश्य कुओं में उपलब्ध न्यूनतम जलस्तर एवं मानसून पश्चात माप का तात्पर्य अधिकतम जलस्तर की माप करना है। भूजल डेटा का उपयोग ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) और महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत कार्य योजना निर्माण के हिस्से के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, अनुसंधान, योजना बनाने और अन्य उद्देश्यों के लिए भी इस डेटा का उपयोग किया जा सकता है। कुओं की जलस्तर माप से गांव के भूमिगत एवं सतही जलस्तर की मात्रा का ज्ञान हो जाता है।

जल संवर्धन हेतु जल प्रबंधन के अन्य कार्यों की योजना बनाई जाती है, जलस्तर की अधिकतम माप को बनाये रखने के लिये डेम यूज एण्ड लैण्ड कवर, टोपोग्राफी मैप, प्री-पोस्ट भूमिगत जलस्तर में रिक्तिकरण का ज्ञान एवं जल की मात्रा की निकासी का आकलन हो जाता है। पंचायती राज संस्थानों के माध्यम से बड़ी संख्या में भू-जल स्तर की माप लेकर पानी से संबंधित साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने के लिए अनुकूल हो सकेगा, जिससे उचित जल प्रबंधन और उपयोग को मदद मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.डी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480